भारत और विश्व इतिहास में हुई प्रमुख ऐतिहासिक संधियां

samanyagyan.com/hindi/gk-major-historical-treaties-in-world

भारत और विश्व इतिहास की प्रमुख संधियाँ : (Major Historical Treaties of the World in Hindi)

भारत और विश्व इतिहास कभी जायदाद के लिए, कभी सिंहासन के लिए और कभी आपस में ही कई प्रसिद्ध युद्ध लड़े गए। इन युद्धों के बाद समय-समय पर कई युद्ध सन्धियाँ भी हुई हैं। इन सन्धियों के द्वारा राजनीति में जाने कितनी ही बार एक अलग ही दिशा प्राप्त की है। भारत के इतिहास में अधिकांश सन्धियों का लक्ष्य सिर्फ़ एक ही था, दिल्ली सल्तनत पर हुकूमत। अंग्रेज़ों ने ही अपनी सूझबूझ और चालाकी व कूटनीति से दिल्ली की हुकूमत प्राप्त की थी

Find the collective list of major historical events related to "**Treaty**", read what happened and where.

संधि से संबंधित भारत और विश्व इतिहास की मुख्य घटनाएं/वारदात/वृत्तांत, जिन्हे जानकर आपका सामान्य ज्ञान बढ़ेगा।

भारत और विश्व इतिहास में "संधि" से प्रमुख घटनाओं की सूची:

दिन/ महीना/ वर्ष	घटना/वारदात/वृत्तांत
11 अक्टूबर 1142	सॉन्ग राजवंश के खिलाफ जुरकेन अभियानों को समाप्त करने वाली शॉक्सिंग की संधि को औपचारिक रूप से पुष्टि की गई जब एक जिन दूत ने दक्षिणी सांग कोर्ट का दौरा किया।
23 जून 1314	स्कॉटिश स्वतंत्रता का पहला युद्ध: बैनॉकबर्न की लड़ाई शुरू हुई। स्कॉटिश स्वतंत्रता का पहला युद्ध अंग्रेजी और स्कॉटलैंड की सेनाओं के बीच 1296 में इंग्लैंड द्वारा किए गए आक्रमण की अवधि में श्रृंखलाओं के प्रारंभिक अध्याय का प्रारंभिक अध्याय था, जिसमें 1328 में एडिनबर्ग-नॉर्थम्प्टन की संधि के साथ स्कॉटिश स्वतंत्रता की बहाली बहाल नहीं हुई। . वास्तव में स्वतंत्रता की स्थापना 1314 में बैनॉकबर्न की लड़ाई में हुई थी।
12 अगस्त 1323	स्वीडन और नोवगोरोड गणराज्य ने नोतेबॉर्गटो की संधि पर अस्थायी रूप से स्वीडिश-नोवगोरोडियन युद्धों को समाप्त करने पर हस्ताक्षर किए।
25 सितम्बर 1340	इंग्लैंड और फ्रांस ने निरस्त्रीकरण संधि पर हस्ताक्षर किए।

09 मई 1386	विश्व की प्राचीनतम संधियों में से एक पुर्तगाल और इंग्लैंड के बीच विंडसोर समझौता।
12 अक्टूबर 1398	लिथुआनिया के ग्रैंड ड्यूक वियातुतास द ग्रेट और ट्युटोनिक नाइट्स के ग्रैंड मास्टर कोनराड वॉन जुंगिंगन ने समोगाइटिया को नाइट्स को सौंपने का तीसरा प्रयास, सालिनास की संधि पर हस्ताक्षर किए।
27 सितम्बर 1422	मेलनो की संधि पर हस्ताक्षर किया गया था, जो कि पोलिशियन-लिथुआनियाई सीमा की स्थापना कर रहा था, जो बाद में 500 वर्षों तक अपरिवर्तित रहा।
29 अगस्त 1475	इंग्लैंड और बरगंडी के डची के आक्रमण के बाद, फ्रांस ने पिकक्विंज की संधि इंग्लैंड के साथ की, लुईस XI को चार्ल्स बोल्ड, ड्यूक ऑफ बरगंडी द्वारा उत्पन्न खतरे से निपटने के लिए मुक्त किया।
25 नवम्बर 1491	रिकोंक्विस्टा-ग्रेनेडा युद्ध को प्रभावी रूप से कैस्टिले-एरागॉन और ग्रेनेडा के अमीरात के बीच ग्रेनेडा की संधि पर हस्ताक्षर करने के साथ प्रभावी ढंग से लाया गया था।
06 जून 1520	फ्रांस और इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड संधि पर हस्ताक्षर किये।
27 फरवरी 1560	बेरेविक की संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिसके तहत एक अंग्रेजी बेड़े और सेना स्कॉटलैंड में प्रवेश कर सकती थी, जो रीजेंसी ऑफ मैरी ऑफ गुइज़ की रक्षा करने वाले फ्रांसीसी सैनिकों को बाहर निकालने के लिए स्कॉटलैंड में प्रवेश कर सकती थी।
6 जुलाई 1560	स्कॉटलैंड और इंग्लैंड ने एडिनबर्ग की संधि पर लीथ की घेराबंदी की औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए और स्कॉटिश-फ्रांसीसी औल्डअलायंस की जगह ली।
22 मई 1629	फर्डिनेंड द्वितीय, पवित्र रोमन सम्राट, और डेनिश राजा क्रिश्चियन IV ने तीस साल के युद्ध में डेनिश हस्तक्षेप को समाप्त करने के लिए लुबेक की संधि पर हस्ताक्षर किए।
12 सितम्बर 1635	स्वीडन और पोलैंड ने संघर्ष विराम संधि पर हस्ताक्षर किये।
20 अगस्त 1641	इंग्लैंड और स्कॉटलैंड ने 'पैसिफिकेशन संधि' पर हस्ताक्षर किये।

24 अक्टूबर 1648	शांति की वेस्टफेलिया की दूसरी संधि, मुंस्टर की संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे, जो तीस साल के युद्ध और डच विद्रोह दोनों को समाप्त कर रहे थे, और स्वतंत्र रूप से स्वतंत्र राज्यों के रूप में सात संयुक्त नीदरलैंड और स्विस संघ के गणराज्य को आधिकारिक तौर पर मान्यता दे रहे थे।
20 जुलाई 1654	एंग्लो-पुर्तगाल संधि के तहत पुर्तगाल इंग्लैंड के अधीन हुआ।
27 जुलाई 1655	नीदरलैंड और ब्रांडेनबर्ग ने सैन्य संधि पर हस्ताक्षर किये।
23 अप्रैल 1660	स्वीडन और पोलैंड के बीच ओलिवा संधि पर सहमति बनी।
27 अप्रैल 1662	नीदरलैंड और फ्रांस ने सैन्य संधि पर हस्ताक्षर किये।
04 सितम्बर 1665	मराठा शासक शिवाजी तथा मुगलों के बीच पुरंदर की संधि हुई।
01 जून 1670	इंग्लैंड के महाराज किंग्स चार्ल्स द्वितीय और फ्रांस के राजा किंग लुइस चौदहवें ने डच विरोधी गोपनीय संधि पर हस्ताक्षर किये।
11 जुलाई 1673	नीदरलैंड और डेनमार्क के बीच रक्षा संधि पर हस्ताक्षर हुए।
19 फरवरी 1674	तीसरा एंग्लो-डच युद्ध वेस्टमिंस्टर की संधि पर हस्ताक्षर करने के साथ समाप्त हो गया, इंग्लैंड के साथ न्यूयॉर्क और नीदरलैंड्स ने सूरीनाम ले लिया।
27 अक्टूबर 1676	पोलैंड और तुर्की ने वर्साय की संधि पर हस्ताक्षर किए।
29 मई 1677	मध्य वृक्षारोपण की संधि ने वर्जीनिया उपनिवेशवादियों और स्थानीय मूल निवासियों के बीच शांति स्थापित की। संधि ने उन लोगों को नामित किया जो "सहायक जनजाति (s)," के रूप में हस्ताक्षरित थे, जिसका अर्थ है कि वे अपने मातृभूमि प्रदेशों, शिकार और मछली पकड़ने के अधिकार, हथियार रखने और धारण करने का अधिकार और अन्य औपनिवेशिक सुरक्षा की गारंटी देते थे, जब तक कि उन्होंने आज्ञाकारिता और अधीनता बनाए रखी। अंग्रेजी साम्राज्य।

20 सितम्बर 1697	राइन्सविक की संधि पर फ्रांस और ग्रैंडअलांस के बीच हस्ताक्षर किए गए थे, जो नौ साल के युद्ध को समाप्त कर रहे थे।
26 जनवरी 1699	ऑस्ट्रो-ओटोमन युद्ध को समाप्त करने के लिए कार्लोविट्ज़ की संधि पर हस्ताक्षर करने से सेंट्रल यूरोपिया के अधिकांश में ओटोमन नियंत्रण के अंत के रूप में चिह्नित किया गया था जो कि हबसबर्ग राजशाही के उदय के रूप में था।
25 मार्च 1700	लंदन ने फ्रांस, इंग्लैंड और हॉलैंड की संधि पर हस्ताक्षर किए।
13 जुलाई 1700	कांस्टेंटिनोपल की संधि शांति की स्थापना के बाद रूसी-तुर्की युद्ध हुआ।

You just read: Bharat Aur Duniya Mein Pramukh Aitihasik Sandhiyon Ki Suchi